सूर्या फाउण्डेशन

आदर्श गाँव योजना

मासिक ई-पत्रिका अंक - 11

अप्रैल - 2021

चयनित आदर्श गाँव

suryaadarshgaonyojna

suryafoundation1

sf10idealvillage

@suryafnd

surya_foundation

suryafoundation

www.surya foundation.org

डिजिटल जागरुकता कार्यक्रम - बसई (उत्तराखण्ड)

अन्य कार्य

- संस्कार केन्द्र के 60 भैया-बहनों का वन-विहार कार्यक्रम किया गया।
- लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह के माध्यम से धूपबत्ती बनाने का काम शुरू किया गया।
- युवाओं द्वारा कोरोना जागरुकता अभियान चलाकर लोगों को जागरुक किया गया।

वर्तमान समय में पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा है। ऐसे समय में हर कोई घर से बाहर जाते समय अपने आप को असुरक्षित महसूस करता है। गाँव बसई का मजरा में सूर्या फाउण्डेशन द्वारा लोगों को डिजिटल जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में 60 युवाओं व सेवाभावियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बैंक ऑफ बड़ौदा, हरियावाला के उप शाखा प्रबंधक श्री देवव्रत कुमार जी, ग्राहक सेवा केन्द्र प्रमुख जयप्रकाश जी उपस्थित रहे। देश में चल रहे डिजिटल इंडिया अभियान के तहत गाँव के लोगों को बैकिंग कार्य से संबंधित जानकारी दी गई। जिसमें एटीएम का प्रयोग व पिन बनाना, घर बैठे भीम एप से पैसे ट्रांसफर करना, मोबाइल बैंकिंग, नेट बैंकिंग, स्विप मशीन का प्रयोग, क्रेडिट कार्ड का प्रयोग व बैंक से संबंधित अन्य कार्यों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में गाँव के लोगों को बैंक व डिजिटल कार्य में होने वाली समस्याओं से संबंधित प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए। शाखा प्रबंधक श्री देवव्रत जी ने बताया कि डिजिटल बैंकिंग के माध्यम से समय के साथ-साथ पैसे की भी बचत होती है। डिजिटल कार्य बहुत सरल है, बस सावधानी रखना जरूरी है। हमारे द्वारा बनाया गया किसी भी प्रकार का पिन किसी दूसरे व्यक्ति के साथ साझा ना करें। किसी भी कार्य में आप डिजिटल बैंकिंग का प्रयोग कर सकते हैं। आप इसके माध्यम से अपने घर के कार्य जैसे बिजली का बिल, गैस का बिल, स्कूल की फीस, बीमा प्रीमियम जमा कर सकते हैं तथा बैंक से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन (लेन-देन) और खरीदरारी कर सकते हैं।

निःशुल्क बीज वितरण कार्यक्रम - फफूँडा, मेरठ (उ.प्र.)

भारत कृषि प्रधान देश है, यहाँ ज्यादातर लोगों का मुख्य व्यवसाय खेती है। अच्छी खेती के लिए अच्छे बीजों का होना बहुत जरूरी है, जितने अच्छे बीजों से खेती की जाए, लाभ उतना ही अधिक मिलेगा। ये पंक्तियाँ लगभग हर कृषि विशेषज्ञ से सुनने को मिलती है।

जब अच्छा बीज होगा तभी अच्छा उत्पादन मिलेगा। कृषि में जमीन, श्रम, सिंचाई के बाद खेती के लिए जो सबसे जरूरी चीज है वह है गुणवत्तापूर्ण बीजों का होना। क्योंकि हमारे देश में अच्छी जलवायु होते हुए भी फसलों का औसत उत्पादन अपेक्षाकृत कम है। इसका प्रमुख कारण देश के किसानों द्वारा कम गुणवत्ता वाले बीजों का लगातार प्रयोग है।

किसान बीजों के प्रयोग को लेकर जागरुक हों, अच्छा बीज इस्तेमाल करें इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए सूर्या फाउण्डेशन किसानों के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। जिसमें कृषि सम्मेलन, किसान गोष्ठी, जैविक खेती के लिए प्रोत्साहन, पोषण वाटिका आदि कार्यक्रम किए जाते हैं।

इसी क्रम में मेरठ जिले के चयनित आदर्श गाँव फफूँडा के 50 किसानों को निःशुल्क धान, मूँग व सब्जियों के उन्नत किस्म के बीज वितरित किए गये। ये बीज पूसा इंस्टीट्यूट, दिल्ली (ICAR) द्वारा तैयार किये गए उन्नत किस्म के बीज हैं।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा पिछले कई वर्षों से किसानों की आय में बढ़ोत्तरी हो इसके लिए उन्नत किस्म के बीज जैविक कृषि जल सरंक्षण कृषि से जुड़ी सरकारी योजनाओं आदि के बारे में जागरुक करने का कार्य किए जा रहे हैं। गाँव के लोगों ने संस्था का आभार प्रकट किया और भविष्य में ऐसे कार्य निरंतर चलाते रहने की अपेक्षा की।

अन्य कार्य

- भजन संध्या का कार्यक्रम किया गया।
- हिंदू नववर्ष मनाया गया, 30 लोग उपस्थित रहे।
- भूमि सुपोषण कार्यक्रम किया गया, जिसमें 20 किसान उपस्थित रहे।
- संस्कार केन्द्र पर चित्रकला प्रतियोगिता करायी गयी।
- मसिक बैठक में सिलाई केन्द्र की बहनों द्वारा 2000 मास्क वितरित करने की योजना बनाई गयी।

भूमि सुपोषण कार्यक्रम - नगलावर, दीनदयाल धाम

भूमि सुपोषण हमारे देश में हजारों वर्षों से अपनाई जाने वाली खेती की परम्परा है। किसानों की अनेकों पीढ़ियों ने भूमि को अपनी माता समान मानकर उसके सुपोषण के प्रति लोगों को जागरुक किया है। भारतीय किसानों ने देशी गाय का गोबर, गोमूत्र, फसलों के अवशेष से तैयार किया हुआ खाद व अन्य कई देशी तरीकों से अपनी भूमि के उपजाऊपन को बनाए रखा है। भूमि को कुछ समय खाली रखना, विश्रांति देना, फसल के अवशेषों को मिट्टी में मिला कर पोषक तत्वों को पुनः स्थापित करना इत्यादि।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा दीनदयाल धाम के नगलावर गाँव में भूमि सुपोषण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम गाँव के बीचो-बीच मंदिर प्रांगण में रखा गया। नारियल, आम के पत्ते, रक्षा सूत्र व रंगोली से सुसज्जित कलश तैयार किया गया। सभी किसानों व महिलाओं ने **माता भूमिः पुत्रो अहं पृथ्वीव्याः** मंत्र के साथ भूमि पूजन व गौ-पूजन किया। महिलाओं ने उत्साह से भरा गीत गाया।

कार्यक्रम के उपरांत दीनदयाल धाम के क्षेत्र प्रमुख श्री पुरुषोत्तम जी ने भूमि सुपोषण के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि- 'सुलभ एवं प्रभावी पद्धतियों को भूमि सुपोषण के लिए अपनाया जाता था। पारंपारिक भारतीय कृषि चिंतन के द्वारा हमें भूमि का शोषण नहीं पोषण करने के लिए बताया गया है।'

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लागों को भूमि सुपोषण एवं गौ सेवा के लिए संकल्प कराया गया, ताकि वे सभी संकल्पित होकर इस अभियान में जुड़ें और अपनी सहभागिता पूरी कर सकें। सभी ने रासायनिक खेती को कम करके अपनी परंपरागत खेती (गोबर, गोमूत्र से आधारित) करने का संकल्प लिया है।

अन्य कार्य

- हिंदू नव वर्ष पर 100 **ॐ पताका** लगवाई गई।
- रामनवमी पर्व पर भजन संध्या तथा प्रसाद वितरण।
- सूर्या सिलाई केन्द्र पर त्रैमासिक परीक्षा कराई गई।
- स्वयं सहायता समूह द्वारा कोविड-19 से बचाव के लिए जागरुक किया गया।
- ग्राम पंचायत चुनाव में मतदान हेतु जागरुक किया गया।

जनेऊ बनाने का प्रशिक्षण - कादीपुर, (वाराणसी)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित आदर्श गाँव कादीपुर, वाराणसी जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर की दूरी पर बसा है। जहाँ पर मूल रूप से पिछड़े वर्ग के लोग रहते हैं। इस गाँव के लोगों को रोजी-रोटी के लिए प्रतिदिन वाराणसी शहर जाना पड़ता है।

कादीपुर गाँव की माताओं-बहनों ने भी अपने घर को चलाने एवं आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। महिलायें स्वयं सहायता समूह से जुड़कर रोजगार के माध्यम से परिवार के खर्च को चलाने में पुरुषों का सहयोग कर रही हैं।

इन दिनों कोरोना महामारी के कारण शैक्षणिक संस्थानों के बंद होने से विद्यालय जाने वाली बहनों के समय का सही उपयोग करने का प्रयास सूर्या फाउण्डेशन द्वारा किया जा रहा है। स्वयं सहायता समूह के सदस्यों एवं सेवाभावी कार्यकताओं के प्रयास से गरीब घरों की 15 बहनों को जनेऊ बनाने का प्रशिक्षण कराया गया।

अब सभी बहनें घरों में अपनी पढ़ाई के साथ-साथ बचे हुए समय में जनेऊ बनाने का कार्य कर रही हैं। जिससे प्रतिदिन 100-150 रुपये कमाकर परिवार की आर्थिक मदद कर रही हैं।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा गाँव की माताओं बहनों को रोजगार के लिए सिलाई प्रशिक्षण, हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण, गौउत्पाद प्रशिक्षण (साबुन, दंत मंजन, धूपबत्ती, फिनायल) आदि प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इन कामों से जुड़ी अनेक माताएं-बहनें पूरी प्रसन्नता व उत्साह के साथ काम करके आत्मनिर्भर होने के साथ-साथ **समर्थ भारत - सशक्त भारत** के सपने को साकार कर रही हैं।

अन्य कार्य

- डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती कार्यक्रम किया गया जिसमें 70 लोगों ने हिस्सा लिया।
- स्वयं सहायता समूह द्वारा आँगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों को पोषाहार वितरण किया गया।
- सेवाभावियों व युवाओं द्वारा नशामुक्ति जागरुकता हेतु बैठक आयोजित की गयी।

रामनवमी पर सुंदरकाण्ड का पाठ - लोनाँव, गोरखपुर

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित आदर्श गाँव लोनाँव, गोरखपुर शहर से 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जहाँ पहले लोग छोटे-बड़े, ऊँच-नीच के भेदभाव के मतभेद से इतने प्रभावित थे कि सभी जातियों के लोग अपने-अपने धार्मिक कार्यों को भी अलग-अलग करते थे।

सूर्या फाउण्डेशन की टीम एवं गाँव सेवाभावियों के द्वारा लोगों में बदलाव लाने का प्रयास किया गया। धीरे-धीरे लोगों में बदलाव देखने को मिला। अब गाँव में होने वाले सभी सामाजिक कार्यक्रमों में परिवर्तन देखने को मिलता है । गाँव के सभी वर्ग के लोग एक दूसरे के कार्यक्रमों में पूरा सहयोग करते हैं और मिल-जुलकर कार्यक्रम को सफल बनाते हैं।

इसी क्रम में इस माह रामनवमी पर्व को गाँव के लोगों ने विशेष रूप में मनाया। कोरोना संक्रमण के नियमों का पालन करते हुए पूरी सावधानी से गाँव के माँ दुर्गा मंदिर पर सुन्दरकाण्ड का पाठ और हवन-पूजन किया गया। साथ ही साथ कोरोना महामारी को समाप्त करने के लिए प्रार्थना भी की गयी।

हनुमान जयंती के अवसर पर गाँव के 40 घरों में हनुमान जी एवं श्री रामजी के ध्वज लगाए गए व प्रसाद वितरण भी किया गया। इस कार्य को पूरा करने में गाँव के शिक्षक एवं सेवाभावी कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका रही।

इन कार्यक्रमों को गाँव के हर वर्ग के लोगों ने मिलकर सामूहिक सहयोग से बिना किसी भेदभाव के भाईचारे के साथ सामाजिक समरसता को प्रगट करते हुए सफल किया गया।

अन्य कार्य

- हनुमान जयंती पर 40 घरों में भगवा ध्वज लगवाया गया।
- डॉ. अंबेडकर जयंती मनाई गयी जिसमें 20 लोग उपस्थित रहे।
- सूर्या यूथ क्लब के युवाओं द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में 10 टीमों ने हिस्सा लिया।

हिंदू नववर्ष पर मनाया उत्सव - नांदियाकल्ला, राजस्थान

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के माध्यम से गाँवों में शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए तो कार्य किया ही जा रहा है साथ ही साथ भारतीय संस्कृति को सुरक्षित रखने के लिए सेवाभावी कार्यकर्ताओं के सहयोग से गाँव में समय-समय पर अनेक कार्यक्रम भी किए जा रहे हैं। जिसमें ग्राम गौरव मेला, महापुरुषों की जयंती एवं भारतीय त्योहारों पर भी कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। जिससे आज की युवा पीढ़ी और आने वाली पीढ़ी भारतीय संस्कृति से जुड़ी रहे।

पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति की एक अलग पहचान है। इस पहचान को लगातार संजोए और निभाने का कार्य कर रहा है राजस्थान, जोधपुर से महज 70 किमी दूर सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित **आदर्श गाँव नांदियाकल्ला।**

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गाँव नांदियाकल्ला में हिंदू नव वर्ष का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह पर्व चैत्र मास के शुक्ल पक्ष एकम् को मनाया जाता है। इस वर्ष 13 अप्रैल (मंगलवार) को इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

गाँव के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन में युवाओं की टोली बनाकर गाँव के सभी घरों में **ओम पताका** लगायी गयी। साथ ही साथ कोविड-19 से बचाव की गाइड-लाइन का पालन करते हुए भजन-टोली के माध्यम से भजन कीर्तन करते हुए। जयकारों और परिवारों में हिंदू नव वर्ष की बधाईयों के साथ पूरा गाँव गूंज उठा। सभी ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम से प्रेरणा लेकर गाँव के अन्य ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि हम एक जनवरी को नए वर्ष के रूप में नहीं बल्कि भारतीय परंपरा का निर्वहन करते हुए चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को ही नव वर्ष के रूप में मनाएंगे।

अन्य कार्य

- सेवाभावियों एवं युवाओं के सहयोग से तालाब की साफ-सफाई करवाई गई।
- युवाओं द्वारा पेड़ों को पानी देने का काम किया गया।
- पेड़ों को पानी देने वाली 5 माताओं को दीवार घड़ी देकर सम्मानित किया गया।

साक्षरता की ओर एक नया कदम - नयागाँव (हरियाणा)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के तहत नयागाँव (हरियाणा) में प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र का शुभारम्भ 4 अप्रैल, 2021 को किया गया। प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र में स्वयं सहायता समूह की चयनित 12 महिलाओं को पढ़ना-लिखना सिखाया जाएगा। ये महिलाएं समूह से पिछले लंबे समय से जुड़ी थी, लेकिन पढ़ी-लिखी न होने के कारण कभी-कभी उन्हें कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

मुख्य अतिथि श्री शत्रुहन जी ने बताया कि शिक्षा जीवन का मुख्य आधार है, जिस पर मानव जाति का भविष्य निर्भर करता है। औपचारिक रूप से जो शिक्षा की आयु को पार कर चुके हैं, लेकिन अब वो जीवन की आधारभूत शिक्षा के ज्ञान की आवश्यकता का अनुभव करते हैं।

निरक्षरता किसी भी राष्ट्र का सबसे बड़ा अभिशाप है। शिक्षा केवल रोजगार के साधन सुलभ नहीं कराती अपितु व्यक्ति के बहुमुखी विकास में भी सहयोगी होती है। शिक्षा से व्यक्ति का मानसिक विकास तो होता ही है साथ ही उसका सामाजिक, आध्यात्मिक और नैतिक विकास भी होता है।

सूर्या फाउण्डेशन के इस पहल से नयागाँव पूरी तरह साक्षर गाँव बनने की दिशा में बढ़ेगा। आने वाले समय मे गाँव के अंदर निरक्षर लोगों को चयनित कर उनको भी इस अभियान से जोड़ेंगे।

हम सब की है जिम्मेदारी
पढ़ी-लिखी हो घर की नारी

अन्य कार्य

- भीमराव अम्बेडकर जयंती पर सहभोज कार्यक्रम में 40 लोगों ने हिस्सा लिया।
- अम्बेडकर भवन में भीमराव जी के साथ 7 अन्य महापुरुषों के चित्र लगाए गए।
- 10 परिवारों में पोषण वाटिका हेतु सब्जियों के बीज वितरण किया गया।
- भूमि सुपोषण कार्यक्रम में 30 किसान तथा बच्चों नें हिस्सा लिया।

हस्तशिल्प कला से स्वरोजगार - सलोई (मध्य प्रदेश)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत भारत वर्ष के 18 राज्यों में ग्राम विकास के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। सलोई गाँव में महिला स्वावलंबन को ध्यान में रखते हुए फाउण्डेशन द्वारा महिला स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया था। समूह के सदस्यों को समय-समय पर कई प्रकार के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की गई, जिससे कि समूह से जुड़ी महिलाओं को रोजगार से जोड़ा जा सके।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा गाँव सलोई में जनवरी 2021 में छः दिवसीय हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के लिए पूर्णतः निःशुल्क आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में गाँव की 20 बहनों ने भाग लिया। **प्रशिक्षण में महिलाओं को गृह-सज्जा की कई वस्तुएं सिखाई गई। जैसे- मिरर-होल्डर, की-होल्डर, दीवार-तोरण, दीवार-लटकन, कान्हा जी की पोशाक, गणेश जी, टेडी-बियर आदि कई वस्तुओं को बनाना सिखाया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य गाँव की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ना है।**

इसी क्रम में बहन बबली कुशवाहा ने प्रशिक्षण के दौरान सिखाई गई वस्तुओं को बनाना सीखा और अपने घर पर टेडी-बियर बनाने की प्रैक्टिस की और उसमें कई सुधार करके उसको और अच्छा बनाना सीखा। बबली कुशवाहा ने अपने द्वारा बनाई गई वस्तुओं की मार्केटिंग के लिए कई लोगों से संपर्क किया और उन्हें सफलता भी मिली।

धीरे-धीरे इनके द्वारा निर्मित वस्तुएं बिक्री के लिए भोपाल तक जाने लगी है। अब बहन बबली अपने कार्य को आगे बढ़ा रही हैं जिससे उनको परिवार के खर्चों के लिए मदद मिल रही है, साथ ही साथ गाँव की अन्य प्रशिक्षित महिलाओं को भी प्रेरित कर रही हैं।

अन्य कार्य

- भूमि सुपोषण एवं गौपूजन कार्यक्रम में गाँव के 20 किसानों ने भाग लिया।
- स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के साथ रोजगार हेतु बैठक की गयी।
- स्वयं सहायता समूह के आगामी प्रशिक्षण के विषय पर चर्चा की गयी।

महिला स्वयं सहायता समूह ने की सहायता - मूण्डला (म.प्र.)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा सीहोर जिले (मध्य प्रदेश) के मूण्डला गाँव में कई प्रकार के महत्वपूर्ण सेवाकार्य किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में महिला स्वावलंबन की दिशा में कार्यकर्ताओं द्वारा छः स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया। इन समूहों को समय-समय पर ट्रेनिंग की व्यवस्था की जाती है, जिससे नारी शक्ति को रोजगार से जोड़ा जा सके।

पिछले दिनों गौ-उत्पाद और पापड़ बनाने का प्रशिक्षण दिया गया, गौ-उत्पाद प्रशिक्षण में महिलाओं ने दंत मंजन, साबुन, धूपबत्ती, फिनालय आदि बनाना सीखा। इस प्रशिक्षण के बाद महिलाओं ने रोजगार भी शुरू किया है। स्वयं सहायता समूह गाँव में समय-समय पर जागरुकता के लिए भी कार्य करता है।

गाँव के ही सामान्य परिवार से राजेश जी का अप्रैल माह में कोरोना संक्रमण के कारण आकस्मिक निधन हो गया था। पूरा परिवार राजेश जी पर ही आश्रित होने के कारण परिवार असहाय हो गया। अब परिवार में माँ, पत्नी और छोटे-छोटे बच्चे ही हैं। राजेश जी के परिवार की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए समूह की सभी महिलाओं ने निर्णय लिया कि समूह के सभी सदस्य परिवार की सहायता करेंगे। अपनी क्षमतानुसार सभी सदस्यों ने आटा, दाल, चावल, तेल इकट्ठा किया साथ में कुछ पैसे इकट्ठा करके उस परिवार की मदद किया।

स्वयं सहायता समूह द्वारा संकट की स्थिति में की गयी यह मदद अमूल्य है। महिलाओं ने परिवार की मदद करके जहाँ एक ओर मानवता की एक मिसाल कायम की वहीं दूसरी ओर गाँव में महिलाओं का मान सम्मान बढ़ा है। यह सोच मेरा गाँव-मेरा बड़ा परिवार बात को सार्थक करती है।

अन्य कार्य

- 5-5 लोगों का समूह बनाकार गौउत्पाद (गोनायल, धूपबत्ती, साबुन, दंत मंजन) बनाने का काम शुरू कराया गया

नर सेवा नारायण सेवा

आयुष्मान कार्ड योजना अभियान - पेण्ड्री, छत्तीसगढ़

गाँव- पेण्ड्री, राजनाँदगाँव (छत्तीसगढ़) में भारत सरकार की योजनाओं का पूरा लाभ सभी लाभार्थियों को मिले इसके लिए युवाओं द्वारा एक अभियान चलाया गया, जिसमें आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए पेण्ड्री गाँव में ही सूर्या संस्कार केन्द्र के शिक्षक हीरेन्द्र भैया द्वारा 10 दिवसीय शिविर लगाया गया।

इस शिविर के माध्यम से पेण्ड्री गाँव के **946** लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। गाँव के युवाओं एवं सेवाभावियों के सहयोग से आस-पास के गाँव मकनपुर एवं खेरा के भी 210 लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए।

आयुष्मान कार्ड धारक के परिवार में किसी भी सदस्य को स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या होने पर अपने नजदीकी किसी बड़े अस्पतालों या सरकारी अस्पतालों में 5 लाख रुपये तक नि:शुल्क इलाज करवा सकते हैं।

भारत सरकार की इस योजना द्वारा आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रकिया शुरु की गयी। कोई भी व्यक्ति जन-आरोग्य की वेबसाइट पर जाकर आवदेन कर सकता है। सफलता पूर्वक आवदेन के बाद आपका कार्ड इसी वेबसाइट के माध्यम से डाउनलोड किया जा सकेगा आप इसका प्रिंट भी निकलवा सकते है।

पेण्ड्री गाँव में आयुष्मान कार्ड बनवाने का कार्य 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है। बचे हुए 10 प्रतिशत लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाने का कार्य जल्द ही पूरा किया जायेगा। आयुष्मान कार्ड के साथ गाँव में केन्द्र सरकार की अन्य योजनाओं का लाभ 100 प्रतिशत लाभार्थियों को मिले इसका प्रयास किया जा रहा है।

अन्य कार्य

- युवा शक्ति सेवा संगठन की मासिक बैठक में स्वच्छता विषय पर चर्चा की गई।
- कोरोना महामारी सतर्कता जागरुकता अभियान की योजना बनाई गई।
- नवरात्रि पर्व के अवसर पर माता मंदिर पर हवन पूजन किया गया।

समाचार पत्रों में सूर्या फाउण्डेशन के कार्य...

साक्षरता की ओर एक नया कदम

बहादुरगढ़/राष्ट्रीय प्रसार । सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के तहत साप्ताहिक प्रौढ़ शिक्षा केंद्र का शुभारंभ रविवार को किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में सह जोन प्रमुख शत्रुहन लाल कश्यप जी व सेवा प्रमुख अभिषेक व साथ ही सूर्या संस्कार केंद्र की शिक्षिका पायल जी भी उपस्थित रही। इस प्रौढ़ शिक्षा केंद्र में स्वयं सहायता समूह की 12 महिलाओं को हस्ताक्षर करने के साथ साथ पढ़ना लिखना सिखाया जाएगा। मुख्य अतिथि श्री शत्रुहन जी ने बताया कि प्रौढ़ शिक्षा का उद्देश्य उन पूर्ण व्यक्तियों को शैक्षिक विकल्प देना है जिन्होंने यह अवसर गंवा दिया है और अब औपचारिक शिक्षा आयु को पार कर चुके हैं लेकिन अब वो साक्षरता, आधारभूत शिक्षा, कौशल विकाश (व्यावसायिक शिक्षा) और इस तरह की अन्य शिक्षा सहित किसी तरह के ज्ञान की आवश्यकता का अनुभव करते हैं। निरक्षरता किसी भी राष्ट्र का सबसे बड़ा अभिशाप है, शिक्षा केवल रोजगार के साधन सुलभ नहीं कराती अपितु व्यक्ति के बहुमुखी विकास में भी सहयोग होती है शिक्षित व्यक्ति का मानसिक विकास होता है, साथ ही उनका सामाजिक आध्यात्मिक नैतिक विकास भी होता है। व्यक्ति को संपूर्णता प्रदान करने में शिक्षा की भूमिका एवं मतों से भी परिचित है, शिक्षित व्यक्ति का सोचने का तरीका निश्चित रूप

सूर्या फाउंडेशन ने किया आदर्श गांव योजना के तहत डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

(सवांददाता प्राईम काशीपुर)

काशीपुर (हरियावाला)। गांव बसई का मंझरा में सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के तहत डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा हरियावाला के उप शाखा प्रबंधक देवव्रत कुमार, ग्राहक सेवा केंद्र प्रमुख जयप्रकाश ने भारत माता चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए नरेंद्र ने बताया कि हमारा ज्यादातर समय फोन के प्रयोग करने में जाता है अगर उसका सदउपयोग करे तो समय की बचत होगी। मुख्य अतिथि देवव्रत ने बताया कि प्रधानमंत्री जी द्वारा पहले से ही पूरे देश में डिजिटल इंडिया प्रोग्राम के तहत लोगों को जागरूक किया जा रहा है। डिजिटल कार्य से आप समय के साथ साथ पैसे की भी बचत कर सकते हैं। डिजिटल कार्य बहुत सरल है, बस सावधानी रखना जरूरी है। आप किसी भी कार्य मे डिजिटल बैंकिंग का प्रयोग कर सकते हैं। कार्यक्रम में लोगों को ऑनलाइन बैंकिंग, मोबाईल बैंकिंग, ट्रांजैक्शन से संबंधित कार्यों की जानकारी दी गई और प्रयोग भी बताया गया। कार्यक्रम में गांव के 55 लोगो ने भाग लिया जिसमे अधिक संख्या में युवा उपस्थित रहे। गांव वालों द्वारा बैंक कार्य व डिजिटल कार्य में होने वाली समस्याओं से संबंधित समाधान भी बताया गया। ग्राहक सेवा प्रमुख जयप्रकाश ने बताया कि डिजिटल के माध्यम से आप की बचत कर सकते हैं, डिजिटल बैंकिंग में आपका पैसा सुरक्षित रहता है। आपको पैसा साथ ले जाने की जरूरत नही होती, आपके पास स्मार्ट फोन होना जरूरी है। इस अवसर पर सूर्या फाउंडेशन क्षेत्र प्रमुख नीतिश कुमार, सूर्या संस्कार केन्द्र के शिक्षक रणधीर सैनी, सूर्या यूथ क्लब के शिक्षक हरीश सैनी, पंकज सिंह, रवि चौहान, हर्षित,

नांदिया कलां में गुंचिया नाडे की सफाई

लवेरा बावड़ी @ पत्रिका. जल संरक्षण अभियान के तहत नांदिया कला में मेघवाल समाज ने गुंचिया नाडा की खुदाई कर साफ सफाई कार्य किया। समस्त महाजन संस्था मुम्बई की ओर से जेसीबी उपलब्ध करवाई गई। इसमे मेघवाल समाज के युवाओं के सहयोग से झाड़ियां व कचरा हटाया गया। सरपंच जसवंतसिंह भाटी नांदिया कला ने अतिक्रमियों से समझाईस कर अतिक्रमण हटवाए। ओंकारसिंह, रतनसिंह, मोटाराम के साथ ही जल संरक्षण कार्य में सूर्या फाउण्डेशन तथा महाराणा प्रताप यूथ क्लब के कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा।

समस्त महाजन संस्था टस्ट के राजस्थान के समन्वयक हरनारायण सोनी, रविन्द्र जैन, नटवर थानवी, मोतीलाल सोनी के देखरेख में तालाब खुदाई व ओरण गोचर विकास एवं अंग्रेजी बबूल निकालने का काम चल रहा हैं।

नया गांव में बीज वितरित किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। नया गाव मे सब्जियों के बीज वितरित करते फाउंडेशन पदाधिकारी।

सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित आदर्श ग्राम योजना के तहत ग्राम विकास के लिए चलाए जाने वाले कार्यक्रमों के तहत नया गांव में बीज वितरण अभियान चलाया गया। नया गांव में ग्रीष्म कालीन सब्जी के बीज वितरण के साथ ही परिवार वालों को कोरोना के प्रति जागरूक भी किया गया। फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने नया गांव के घरों में जाकर पोषण वाटिका के लिए दिल्ली के पूसा से लाए हुए बीजों का वितरण किया। जिसमें गर्मी में होने वाली भिंडी, लौकी, मिर्च, बैंगन, चौलाई इत्यादि सब्जियों के बीज थे। इस मौके पर सूर्या रोशनी के महानारायण के साथ फाउंडेशन से सह जोन प्रमुख शत्रुहन लाल कश्यप, ग्रामसेवा प्रमुख अभिषेक उपाध्याय, शिक्षक पायल व राहुल के साथ रामवतार आदि उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि घर के अगल-बगल या आंगन में खुली जगह पर पोषण वाटिका में पारिवारिक श्रम से परिवार के रोजाना प्रयोग के लिए विभिन्न मौसमी फल तथा विभिन्न सब्जियां उगाई जाती हैं। यह गुणकारी सब्जियां बिना किसी रसायनिक खाद के तैयार होती हैं।